ASSENT TO BILLS

SECRETARY : Sir, I lay on the Table copies, duly authenticated by the Secretary-General of Rajya Sabha of the following four Bills passed by the Houses of Parliament during the current session and assented to since a report was last made to the House on the 6th April, 1979:—

1. The Coconut Development Board Bill, 1979.

2. The Working Journalists and Other Newspaper Employees (Conditions of Service) and Miscellaneous Provisions (Amendment) Bill, 1979.

3. The Industries (Development and Regulation) Amendment Bill, 1979.

4. The Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Amendment Bill, 1979.

MR. SPEAKER: We will now take up the Calling Attention. Shri Nirmal Chandra Jain.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Which Indian border are they talking about here? Because, we have common borders with China, Bangladesh and Pakistan.

MR. SPEAKER: Everything.

12.06 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

REPORTED MASSIVE ARMS BUILD UP ACROSS THE INDIAN BORDERS.

SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU (Chittoor): I call the attention of the hon. Deputy Prime Minister and Minister to the following matter of urgent public importance and I request that he may make a statement thereon:

Reported massive arms build up across the Indian boders.

THE DEPUTY PRIME MINISTER AND MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM): Mr. Speaker, Sir, the House is aware of the steady build-up of military capability that has been going on in some of our neighbouring countries. Various reports on this have appeared, from time to time in the world Press, and references to it have been made during discussions on the floor of the House on different occasions. In the course of the debate on the budget grants for the Defence Ministry, concern was expressed by many Hon'ble Members at the induction of arms, and the build-up of military capability in some quarters of our neighbourhood there have been reports of their efforts to acquire modern military hardware.

As I have made clear on various occasions, Government took careful note of these developments on the basis of continuous review. I have also stated that these are fully taken into account in drawing our own defence plan and programmes.

However, I would like to dispel any impression that there has been any unusual concentration of movement of forces across our borders, in recent weeks or months. In fact, there are no reports to indicate any development of this nature, such as can be considered unusual or particularly disturbing. There is, therefore, no cause for any anxiety or concern on this score.

I would also like to avail of this opportunity once again to assure the House that our valiant Armed Forces are fully vigilant on the borders and maintain absolute defence preparedness at all times.

SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU: There are indications, as the hon. Minister has said, that there is some build up of military forces on our borders. We very well know that Pakistan is trying to make the atom bomb. It has been confirmed because of the cut in foreign aid to that country by America.

America is buliding up in the Indian Ocean. China is an undependable friend, which is expansionist, hand in glove with Pakistan, and is encouraging the Nagas and others against us.

In the beginning, our defence was organised depending upon our foreign policy to contain Pakistan and we were not prepared to meet if China invaded us as we were under the Hindi Chini Bhai Bhai age.

Therefore, I want to know whether we are prepared to face the gang up of Pakistan, China and America.

SHRI JAGJIVAN RAM: I have nothing to add to what I have already said. There are many wishful thinkings, but, as I have said, nothing which is likely to cause any concern or anxiety.

श्री विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, अभी कुछ दिन पहले समाचारपत्रों में हमारे उप-प्रधान मंत्री जी के कहीं पर हुये भाषण की रिपोर्ट छपी थी, जिसमें उन्होंने इस बात का जिक्र किया था कि हमारे पड़ोसी देशों में मिलिट्री-बिल्ट-अप हो रहा है . . .

श्री ज्योतिर्मय बसु (डायमंड हार्बर) : कहां छपा था ?

श्री विजय कुमार मल्होत्रा : हिन्दुस्तान टाइम्ज, पैट्रिअाट और कुछ सी० पी० (एम०) न्यूज-पेपर्स में छपा था ।

MR. SPEAKER: Mr. Bosu, kindly do not disturb the proceedings.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: I detest this sort of Call-ttention. We are needling our neighbours. We want to establish corial relations. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You do not decide for every body.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Please do not allow this sort of Call-Attention.... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I do not receive directions from any Member. Mr. Vijay Kumar Malhotra.

श्री विजय कुमार मल्होत्रा : मैं इस बात का जिक्र कर रहा था कि हमारे हिन्दुस्तान की जो बहादुर सेना है, वह बहादुर सेना हिन्दुस्तान की पूरी रक्षा कर सकती है और उप-प्रधान मंत्री जी ने जैसा कहा है वे पूरा इस बात पर ध्यान दे रहे हैं परन्तु जो नये डेवलपमेंट हुये हैं, उनके बारे में क्या किया जा रहा है, यह देखने की जरूरत है । अफगानिस्तान में जब से नया शासन आया है, तब से वैस्ट को, अमेरिका को यह लग रहा है कि रूस को रोकने के लिए पाकिस्तान को मजबूत किया जाये और पाकिस्तान के अन्दर बहुत बड़ी सैनिक तैयारियां हो रही हैं और वह ज्यादा मिलिट्री का सामान खरीद रहा है । अमेरिका और वैस्ट से उसको बहुत ज्यादा मिलिट्री का सामान दिया जा रहा है। ऐसी हालत में भुट्टो की फांसी के पश्चात् पाकिस्तान इस तरह की चीज कर सकता है, ऐसा खतरा पैदा हो रहा है । दूसरी तरफ यह भी हो सकता है कि पाकिस्तान अकेले करे या चीन भी । चीन पाकिस्तान से मिला हुआ है और इस समय वैस्ट से भी मिला हुआ है और दोनों तरफ से एक बड़ा खतरा पैदा हो रहा है। चीन के पास एटम बम है और हाइड्रोजन बम है और चीन का क्या रवैया है यह हम सब जानते हैं । इस वक्त चीन का क्या रवैया है, उसने वीयतनाम पर हमला किया और तब किया जब कि चीन के साथ हमारे ताल्लुकात क्या हों, इस पर वहां बातचीत हो रही थी । यह भी सब जानते हैं कि जब उनके प्रधान मंत्री हिन्दुस्तान में आये हुये थे और इस सारे महाद्वीप के अन्दर

[श्री विजय कुमार मलहोत्रा]

"हिन्दी-चीनी भाई-भाई के नारे गूंज रहे थे, तब चीन हिन्दुस्तान पर हमला करने की योजना बना रहा था . . . (व्यवधान) . . मैं चीनी एजेन्ट्स की बात नहीं कर रहा हूं । मैं हिन्दुस्तान के उप-प्रधान मंत्री से बात कर रहा हूं । मुझे यह कहना है कि जब चीन के पास एटम बम हैं और पाकिस्तान एटम बम बना रहा है . . . (व्यवधान) . . .

MR. SPEAKER: Do not record. I am only having Mr. Malhotra recorded. Do not record any one else. I want all the Members to be interested only in India and not in any other country. (*Interruptions*)**

श्री विजय कुमार मलहोत्रा : मैं इस बात को आपसे कह रहा था कि जब कि हिन्दुस्तान ने यह तय कर रखा है कि वह किसी दूसरे मुल्क पर हमला नहीं करेगा, तो खतरा यह है कि अगर दूसरे हमलावर ने हम पर हमला किया तो उसको इस बात का फायदा है कि वह अपनी जगह चुन सकता है, टाइम भी चुन सकता है । ऐसी हालत में उस खतरे का मुकाबला करने के लिए जब चीन के पास एटम बम हैं, हाइड्रोजन बम हैं और पाकिस्तान एटम बम बना रहा है, तब क्या डिफेन्स मिनिस्टर साहब इस बात को सोचेंगे कि हिन्दुस्तान को भी एटम बम बनाना चाहिये क्योंकि अगर एटम बम हिंदुस्तान के पास नहीं हुआ, तो हम किसी दूसरे मुल्क पर डिपेंड नहीं कर सकते । आज जो चीन का, पाकिस्तान का, अमेरिका का और वैस्ट का, इन सबका गठजोड़ है, उसका मुकाबला करने के लिए हिन्दुस्तान को अपने मिलिट्री इकुइपमेंट्स को मोड्रेनाइज करना और एटम बम बनाना, दोनों हालतों में जरूरी है और खास तौर से तब जबकि हिन्दुस्तान में चीन के एजेन्ट मौजूद हैं मुल्क को बचाने के लिए यह बहुत जरूरी है, इस बात को देखना चाहिये । मैं उप-प्रधान मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि वे हिन्दुस्तान के मिलिट्री इकुइपमेंट्स को माडर्नाइज करने के लिए और एटम बम बनाने के लिए और हिन्दुस्तान की डिफेन्स प्रिपेयर्डनेस के लिए क्या कदम उठा रहे हैं?

श्री जगजीवन राम : अध्यक्ष जी, सदस्य महोदय ने जितनी बातें कहीं हैं, उनमें से बहुत सी बातें तो इतिहास का एक अध्याय बन चुकी हैं और सब किसी को उसकी जानकारी है । और भी बातों का जिक्र उन्होंने किया । आपको मालूम होगा कि डिफेन्स मिनिस्ट्री के बजट के ऊपर जब हाऊस में बहस चल रही थी, तो इन बातों का जिक्र किया गया था और मैंने इनका उत्तर भी दिया था । चीन के सम्बन्ध में, पाकिस्तान के सम्बन्ध में बातें हुई थीं, उनका जवाब भी हुआ था । उसका दोहराना अब मैं जरूरी नहीं समझता ।

MR. SPEAKER: Mr. Deputy Prime Minister, I would not have allowed this call-attention but for your speech somewhere-else after the Defence Demands were passed. I thought some clarification was necessary.

SHRI JAGJIVAN RAM: I am entitled to a preface to what I am going to say.

उसके बाद से हैदराबाद में मेरा एक भाषण हुआ । लेकिन उसमें कहीं यह नहीं है कि मैंने यह जिक्र किया है कि हमारी सरहद पर कोई सेना या फौज का कंसेन्ट्रेशन है । उसमें यह कहीं नहीं कहा है । मैंने यह कहा है कि यह मिलिट्री बिल्ड अप चल रहा है यह कोई हफ्ते से, महीने

**Not recorded.

से मा दो महीने से चल रहा है, यह भी मैंने नहीं कहा यह जरूर है कि हमारे पड़ोसी देशों में मिलिट्री केपेबिलिटी बढ़ायी गई है और जैसा कि मैंने कहा जब यह बढ़ायी जाती है तो उसका हम हिसाब रखते हैं ।

यह सही है कि कई राष्ट्रों में एटम वेपंस हैं लेकिन सदन ने एक राष्ट्रीय नीति निर्धारित कर रखी है एटम बम के सम्बन्ध में, न्यूक्लियर वार हेड के सम्बन्ध में । चाइना के पास ये हैं, यह हमको मालूम था और है, उसकी जानकारी के बाद ही हमने इस पालिसी का यहां से समर्थन लिया ।

अध्यक्ष महोदय, मैं नहीं समझता कि घबराहट में हमको अपनी नीति को बदलने की आवश्यकता है ।

जहां तक आधुनिकीकरण की बात है, इस सदन को मालूम है कि हम तीनों फौजों का आधुनिकीकरण कर रहे हैं और अपनी फौज को यह शक्ति दे रहे हैं कि वह किसी भी दुश्मन या सम्मिलित दुश्मनों का सक्षमता से मुकाबला कर सके और देश की सुरक्षा को बरकरार रख सके ।

श्री कंवर लाल गुप्त (दिल्ली सदर) : अध्यक्ष महोदय, मैं मानता हूं कि बाबू जी इने-गिने, अनेक जो अच्छे लीडर हैं उनमें से एक हैं । लेकिन आज जो उनका स्टेटमेंट हुआ मैं यह कहने में संकोच नहीं करना चाहता कि वह एक रूटीन और जनरल टाइप का स्टेटमेंट था ।

यह बात सही है कि हम चाइना से, पाकिस्तान से दोस्ती चाहते हैं । लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम कम्प्लेसेंट हो जायें । नेशनल पालिसी किसी पार्टी की पालिसी नहीं है, डिफेन्स का मामला भी देश का मामला है । लेकिन उप-प्रधान मंत्री जी इस बात को स्वीकार करेंगे कि चाइना, यू० एस० ए० और सोवियत यूनियन इन तीनों बड़ी बड़ी पावर्स का पहले एरिया आफ आप्रेशन बर्लिन था । यह कुछ साल पहले था । लेकिन अब उनका एरिया आफ आप्रेशन अफगानिस्तान, पाकिस्तान, नेपाल, बर्मा और इंडियन ओशन हो गया है और हमारे दरवाजे पर बड़ी बड़ी पावर्स आ रही हैं । इससे एक प्रोटेक्शन थ्रेट हमारे लिए बनती है, इससे वे भी इंकार नहीं कर सकते हैं ।

दूसरी चीज पाकिस्तान में आज नेवी में, आर्मी में, एयर फोर्स में मोबिलाइजेशन की है । वे हथियार खरीद रहे हैं, उन्होंने डेस्ट्रायर खरीदे हैं । अमेरिका से उ हैं । एयरफोर्स के लिए हवाई जहाज खरीदे रहे दूसरे देशों से भी वे बहुत कुछ खरीद उनके हैं । उनके पास माडर्न मिसाइल हैं । रख यहां फौज पर बजट का 9 परसेंट –7ट होता है, चाइना में भी बजट का 9 पाढ़े 6 खर्च होता है जब कि हम पिछले सालों से डिफेन्स पर अपने बजट का सके तीन प्रतिशत खर्च कर रहे हैं । इस अलावा पाकिस्तान को सऊदी अरेबिया से और दूसरे अरब देशों से इंडायरेक्टली बहुत हेल्प मिलती है । मुझे मालूम है कि वहां के आफिसर्स सऊदी अरेबिया और दूसरे अरब देशों के लोगों को ट्रेनिंग दे रहे हैं । इन बातों से हम आंखें नहीं मूंद सकते हैं ।

अध्यक्ष महोदय, जब से बंगलादेश बना है, पाकिस्तान बंट गया है, जो पहले जहां उसके पास दस डिवीजन आर्मी थीं अब उसके पास 18 डिवीजन हैं । इसी तरह से उसके पास 80 मिराज प्लेन हैं

[श्री कंवर लाल गुप्त]

हमने तो अभी सौदा किया है, हम तो अभी खरीद ही रहे हैं। एटम बम बनाने की वह कोशिश कर रहे हैं। विदेश मंत्री ने इसको माना है। चीन का जहां तक सवाल है रूस के साथ उसका झगड़ा है। उसके खिलाफ वह तैयारी करे यह बात तो समझ में आती है। लेकिन तिब्बत में वह क्या कर रहा है। तिब्बत और सोवियत संघ की सीमायें तो नहीं मिलती हैं। तिब्बत की सीमायें ज्यादा तर भारत, नेपाल और सिक्किम के साथ लगती हैं। सिक्किम को आज भी वह इंडिपेंडेंट देश मानता है, भारत का हिस्सा नहीं मानता है। चीन एक रेलवे लाइन बना रहा है तिब्बत में जो ल्हासा तक जाएगी और आयल पाइप लाइन बना रहा है —

MR. SPEAKER: You are not c[om]ing to the question.

SHRI KANWAR LAL GUPTA: I am coming to the question. I will not take more than two minutes. See the watch. (*Interruptions*). Wherever we talk about China, they are disturbed.

तिब्बत के अन्दर—वह दो लाख सेना ला सकता है किसी भी समय ऐसी उसकी पोटेंशियैलिटी है। यह चीज हमारे देश पर असर करती है इसको आप मानेंगे। नेपाल को भी वह डरा रहा है। चीन ने वीएतनाम पर हमला किया तो नेपाल चुप रहा क्योंकि नेपाल के ऊपर उसकी तलवार लटकी हुई है। मैं जानना चाहता हूं कि इस सब का आपने लांग टर्म व्यू लिया है और लांग टर्म प्लान डिफेंस का बनाया है? बजट जो डिफेंस कम है क्या उसको भी आप बढ़ायेंगे? आप कहते हैं कि आप फौज को माडर्नाइज कर रहे हैं। पाकिस्तान और चीन के पास जो आर्म्ज हैं उन से ज्यादा माडर्न आर्म्ज, ज्यादा सौफिस्टिकेटिड आर्म्ज हमारी फौज के पास हों क्या इसका भी आप प्रयत्न कर रहे हैं और कर रहे हैं तो क्या कर रहे हैं? क्या आपने चीन और पाकिस्तान के साथ भी जो हथियार वे खरीद रहे हैं, उस मामले को उठाया है और पूछा है कि क्यों वे खरीद रहे हैं और जो बड़े बड़े देश, बिग पावर्ज हैं जो उनको ये हथियार दे रही हैं क्या उनके साथ भी आप ने इस मामले को उठाया है? आपने कहा है कि एटम बम आप नहीं बनाना चाहते हैं, यह आपकी नीति है। यह बात सही है कि हम शान्ति चाहते हैं, किसी पर हमला करना नहीं चाहते हैं। चूंकि एटम बम एक डिटरेंट होगा और जबर्दस्त डिटरेंट होगा, इस वास्ते क्या सरकार इसके ऊपर दुबारा विचार करेगी? यह सवाल मैंने उस दिन भी पूछा था।

श्री जगजीवन राम: माननीय सदस्य ने कोई नई बात नहीं कही है। यह सही है कि चीन ने अपना सम्पर्क, कम्युनिकेशन तेज कर दिया है और मैं सदस्य महोदय को बताना चाहता हूं कि पाइप लाइन बन नहीं रही है बन चुकी है। इसकी जानकारी भारत सरकार को है और कितना पैट्रोल ला सकते हैं, कितनी फौज ला सकते हैं, कितने हथियार ला सकते हैं इसकी भी जानकारी है। जब हम अपने देश की सुरक्षा की बात सोचते हैं तो इन सभी तथ्यों को अपने सामने रख कर सोचते हैं। पाकिस्तान को अमरीका से क्या मिल रहा है, कितना मिला है, सीधे कितना मिला है, प्रत्यक्ष और परोक्ष कितना मिला है, जहां तक सम्भव है सब की जानकारी रखी जाती है और उसी के अनुसार अपनी तैयारी भी की जाती है।

जहां तक आधुनिकीकरण की बात है वह हम करते जा रहे हैं। हम को यह भी

देखना पड़ता है कि डिफेंस और डिवलेपमेंट के बीच में समन्वय कैसे रखें और एक विकासोन्मुख देश में हम समन्वय को भी जरूरी रखना पड़ता है क्योंकि सुरक्षा विकास के ऊपर में बहुत अंगों में निर्भर करती है। इसलिए डिफेंस इंडस्ट्री बनाने के लिए भी काम करना पड़ता है। मैं यह विश्वास देना चाहता हूं कि हम इस बात का प्रबन्ध भी जरूर करते हैं कि हमारी सुपीरियारिटी अपने पड़ोसी के ऊपर रहे ताकि आवश्यकता पड़ने पर हम अपनी सुरक्षा कर सकें। यह नहीं है कि हम किसी के ऊपर आक्रमण करना नहीं चाहते हैं। भारत का यह गौरव रहा है कि इतिहास में हमने कभी भी किसी को पराजित करने का प्रयत्न नहीं किया है और आगे भी हम नहीं करना चाहते हैं, पराजित देश की स्वतंत्रता को कायम करना चाहते हैं। इस में कभी कभी यह कमजोरी जरूर आती है कि यह चुनने का मौका हमें नहीं मिलता है, हमारे दुश्मन को मिलता है। लेकिन हम सब प्वाइंट्स पर तैयारी रखते हैं ताकि कभी ऐसी स्थिति पैदा हो तो देश की सुरक्षा को हम सुरक्षित रख सकें। मैं सदन को फिर से कहना चाहता हूं कि हमारी फौज बहादुर है और फौज को बराबर भरोसा रहता है कि सारे देश की शक्ति उनके पीछे है। और यह भी स्मरण रखना चाहिये कि सिर्फ मशीन ही कारगर नहीं होती है।

man behind the machine

का बहुत ज्यादा महत्व हुआ करता है। घबराहट में जैसा मैंने कहा आणविक शक्ति को आप प्रोटेक्टिव कह सकते हैं, डिफेंसिव नहीं कह सकते हैं।

That is not a weapon of defence.

इसलिए हम अभी अपनी नीति को परिवर्तित करने की आवश्यकता नहीं समझते हैं। बहादुर जो होता है वह बहुत जल्दी घबराया नहीं करता है।

12.26 hrs.

PUBLIC ACCOUNTS COMMITTEE

FIFTY-EIGHTH REPORT AND HUNDRED AND TWENTY-FIFTH REPORT

SHRI ASOKE KRISHNA DUTT (Dum Dum): Sir, I beg to present the following Reports of the Public Accounts Committee:

(1) Fifty-eighth Report of the Committee on paragraph 8 of the Report of Comptroller and Auditor General of India for the year 1974-75, Union Government (Railways) relating to Diesel Hydraulic Locomotives.

(2) Hundred and twenty-fifth Report of the Committee on paragraphs 8 and 9 of the Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year 1976-77, Union Government (Railways) relating to Restoration and Construction of Railway Lines.

COMMITTEE ON PUBLIC UNDERTAKINGS

THIRTY-FIFTH REPORT AND MINUTES

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour): Sir, I beg to present the Thirty-fifth Report of the Committee on Public Undertakings on Export of Leather and Leather Goods by the State Trading Corporation of India Limited and Minutes of the sittings of the Committee relating thereto.